विद्या भवन गोविंदराम सेकसरिया शिक्षक महाविद्यालय, उदयपुर

न्यूज़ लेटर

नवंबर, 2024

प्राचार्य की कलम से :

किशोर बालक अति संवेदनशील होते हैं। इस उम्र के बालकों के साथ व्यवहार करने का तरीका छोटे बालकों से बिल्कुल फर्क होता है। इस उम्र में उनकी दिमाग की तार्किक शक्ति तेजी से बढ़ रही होती है। वे बातों/चीजों को अपने नजरिए से समझने की कोशिश करते हैं। हालांकि वे परिपक्वता की ओर बढ़ रहे होते हैं लेकिन अभी परिपक्व हुए नहीं होते हैं। उन्हें लगता है कि उन्हें अपने निर्णय स्वयं लेने चाहिए, उन्हें आजादी भी चाहिए। वे अपनी पहचान की बहुत ज्यादा फिक्र भी करते हैं। अपनी पहचान को मजबूत बनाने के लिए वे जोखिम उठाने वाले कार्य करने का शौक रखते हैं। दूसरी तरफ माता–पिता को डर होता है कि कहीं उनका बच्चा गलत रास्ते पर ना निकल जाए, कहीं उसके साथ कुछ बुरा ना हो जाए, इस डर से वे उसके साथ थोड़ा शख्त हो जाते हैं। परिणामस्वरूप किशोरों का यह जोश और माता–पिता का ये ख़ौफ आपस में टकरा जाता है। इस उम्र में उन्हें नसियत करना, शर्मिंदा करना, दूसरे बच्चों के साथ तुलना करना, उनकी कमजोरियों को छोटे भाई–बहिन या दूसरों के सामने बताना आदि से माता–पिता को बचना चाहिए। इस उम्र के बच्चों के साथ अच्छे रिश्ते बनाकर उनके दिल में अपना मुकाम बनाना बहुत जरूरी है, जिससे वे अपनी हर बात को उनके साथ खुल कर साझा कर सके। इसके लिए नियमित संवाद जरूरी है। घर में एक साथ बैठ कर खाना खाना (दस्तरखान/पंगत/डायनिंग टेबल) पर अपनों के साथ वक्त बिताना महत्त्वपूर्ण है। ये वो स्थान है, जहां खाने के साथ विस्डम भी शेयर होती है। पर ध्यान रहें, यहां पर शिकायत या किसी की बुराई या नाउम्मदी की बातें ना हों। अपने पुराने अनुभव, मजेदार बातें साझा की जाए, जिससे बच्चों को मजे के साथ कुछ नसियत भी मिल जाए। इस उम्र में बच्चे अपने स्व विश्लेषण को ज्यादा महत्त्व देते हैं अतः अपने घर के निर्णयों में भी उनकी सलाह ली जाए, कम से कम उन्हें सुना जरूर जाए। बच्चों की कामयाबी पर खुश होकर उनकी तारीफ, उनकी उपलब्धि से ज्यादा उनके प्रयासों की की जाए। उनकी पहचान उनके अच्छे कामों/अच्छाइयों के रूप में बनाएं, कभी भी उनकी कमी/बुराई का प्रचार ना करें। अगर एक बार बच्चे को एहसास हो जाए कि सब मुझे बुरा मानते हैं तो उस बच्चे के लिए बुराई पर खड़ा रहना आसान हो जाता है। माता–पिता का कर्तव्य है कि वे बच्चे के आत्मसम्मान की रक्षा करते हुए उनके साथ क्वालिटी टाईम बिताए। प्रयास करें कि बच्चा माता–पिता के करीब आए और अपने आप को भावात्मक रूप से सुरक्षित समझे।

–डॉ. फरज़ाना ईरफान

संपादन
सलाहकार–डॉ. जितेंद्र तायलिया, श्री राजेन्द्र भट्ट
प्राचार्य– डॉ. फरज़ाना ईरफान
संपादक –डॉ. गिरीश शर्मा
प्रूफ रीडिंग –डॉ. जगदीश चंद्र आमेटा
ले–आउट, डिजाईनिंग –चिराग धुप्या
विद्या भवन गोविंदराम सेकसरिया शिक्षक महाविद्यालय, डॉ. मोहनसिंह मेहता मार्ग, देवाली उदयपुर, राजस्थान
ई–मेल vbcteudr@gmail.com, 0294–2451814
Website-www.vidyabhawan.in

स्टाफ मिटिंग

दिनांक 6 नवंबर, 2024। संकाय सदस्यों की बैठक में सीईओ राजेन्द्र भट्ट की संस्था प्रधानों के साथ हुई बैठक के मुद्दों को साझा किया गया। इसमें बताया गया कि सभी को अपनी संस्थों को आत्म निर्भर बनाने की दिशा में काम करना होगा। उन्होंने नेक पर कार्ययोजना बना कर उस पर कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने संस्था प्रधानों के साथ संस्थाओं की स्वच्छता और अच्छी कार्य प्रणाली पर भी बात की। उन्होने सभी संस्थाओं को गुणवत्तापूर्ण कार्य करने और विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संस्थाओं में जो भी कार्य होता है, उसको नियमित रूप से मीडिया पर अपलोड किया जाए।

विद्यार्थियों को सशक्त बनाएं

दिनांक 8 नवंबर, 2024। महाविद्यालय में विद्यार्थियों को सशक्त बनाएं विषय पर वार्ता आयोजित की गई। विद्यार्थियों को साक्षात्कार एवं स्वयं को स्वच्छ रखना जैसे विषय पर शोभालाल प्रजापत ने चर्चा की। डॉ. खुशहाली जैन ने छात्राओं के साथ मासिक धर्म और व्यक्तित्व विकास पर चर्चा की। सेवा प्रसार विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में पहले विद्यार्थियों का ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन किया गया।

कैंसर जागरूकता

दिनांक 9 नवंबर, 2024। अनंता हॉस्पिटल की ओर से महाविद्यालय में कैंसर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ। प्रारंभ में विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। तत्पश्चात महिला एवं पुरुष के निजी अंगों में होने वाले कैंसर के बारे में चर्चा की गई। इसमें विभिन्न प्रकार के कैंसर, कैंसर होने के कारण, लक्षण एवं उपचार

एवं सावधानियों को पीपीटी प्रदर्शन के माध्यम से बताया गया। सेमीनार के अंत में विद्यार्थियों का पुनः परीक्षण किया गया। विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों की शंकाओं का समाधान भी किया गया। टीम के सदस्यों ने विद्यार्थियों को कैंसर के प्रति सजग किया तथा कैंसर संबंधी मिथकों को दूर किया।

महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र की जानकारी

दिनांक, 11 नवंबर, 2024। जिला प्रशासन, महिला अधिकारिता एवं पुलिस विभाग, उदयपुर की ओर से महाविद्यालय के विद्यार्थियों को महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र की जानकारी दी गई। केंद्र की समन्वयक पुष्पलता चौहान ने बताया कि यह केंद्र क्या है और यह केंद्र क्या चाहता है। उन्होंने विभिन्न प्रकार की हिंसाओं के बारे में विद्यार्थियों से चर्चा की और बताया कि केंद्र पर कौन आ सकता है और केंद्र पर क्या–क्या मदद मिल सकती है। उन्होंने बताया कि कोई भी केंद्र पर मदद के लिए आ सकता है या कागज पर लिख कर या फोन पर भी अपनी

बात बता सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि किसी भी प्रकार की मदद के लिए कोई पैसा नहीं लगता। केंद्र पर सामाजिक कार्यकर्ता होंगे, जो मदद के लिए तैयार मिलेंगे।

मुख्य संचालक की विजिट

13 नवंबर, 2024। विद्या भवन सोसायटी के सीईओ राजेन्द्र भट्ट ने महाविद्यालय में विजिट की। उन्होंने महाविद्यालय के विभिन्न विभागों का अवलोकन किया और संकाय सदस्य एवं कर्मचारियों से चर्चा की। उन्होंने महाविद्यालय के संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों द्वारा स्मार्ट बोर्ड के उपयोग का सुझाव दिया तथा महाविद्यालय के उद्यान के उचित रख–रखाव के लिए कहा। उन्होंने महाविद्यालय के पुस्तकालय के नियमित वेरिफिकेशन के साथ कई अन्य सुझाव भी दिए।

शिक्षण अधिगम सामग्री निर्माण एवं प्रदर्शनी

दिनांक 18 नवंबर, 2024। विद्या भवन गोविंदराम सेकसरिया शिक्षक महाविद्यालय में सोमवार को शिक्षण अधिगम सहायक सामग्री की प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी में बी.एड. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने 60 चार्ट एवं 32 क्रियाशील मॉडल बनाकर लगाए। चार्ट और मॉडल आकर्षक, विचारोतेजक, कम बजट, स्वतः स्पष्ट एवं गतिविधि आधारित थे। विद्यार्थियों ने ये शिक्षण अधिगम सामग्री दस दिवसीय कार्यशाला में पूर्ण की। प्रदर्शनी का उद्घाटन शिक्षा जगत् के विद्वान प्रो. एम.पी. शर्मा एवं प्रो. डी.एन. दानी ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए प्रदर्शनी का अवलोकन कर मार्गदर्शन दिया। प्रो. शर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई शिक्षण सामग्री में अवधारणा, कौशल एवं सामग्री का बेहतर उपयोग एवं प्रयोग नज़र आ रहा था। प्रो. दानी ने कहा शिक्षण सामग्री बनाते समय ध्यान रखें की उसमें केवल एक ही अवधारणा हो। साथ ही वे चिंतनशीलता का विकास करने वाले हों। इस मौके पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. फरजाना ईरफान, गांधी शिक्षण संस्थान की प्राचार्य डॉ. भगवती अहीर, अभिलाषा स्कूल के विशेष बालको सहित संकाय सदस्यों एवं 250 विद्यार्थियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

अनुरूपित शिक्षण अभिविन्यास

25 नवंबर 2024। महाविद्यालय में बी.एड. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए एक सप्ताह का अनुरूपित शिक्षण अभिविन्यासकार्यक्रम प्रारंभ हुआ। इसमें विद्यार्थियों को कार्यक्रम का सामान्य

परिचय, इकाई योजना, शिक्षण उद्देश्य, विषय वस्तु विश्लेषण, शिक्षण विधियां, अवलोकन और ब्लूप्रिंट आदि विषयों पर विभिन्न सत्र आयोजित किए गए। इसके साथ ही प्रतिदिन विषय की कक्षाओं में इनका छोटे–छोटे समूहों में अभ्यास भी किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विषयों की कक्षाओं का डेमों भी दिया गया।

अनुरूपित शिक्षण में एम.एड. की भागीदारी

दिनांक 25 नवंबर, 2024। अनुरूपित शिक्षण अभिविन्यासकार्यक्रम में एम.एड. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को भी जोड़ा गया। एम.एड. के विद्यार्थियों को अध्यापक शिक्षक के रूप में पारंगत करने के लिए विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम के अनुसार बी.एड. विद्यार्थियों के अनुरूपित शिक्षण में निर्देशन एवं पर्यवेक्षण में सहभागिता कर प्रशिक्षण प्राप्त करना होता है। यह उनके क्षेत्रीय कार्यक्रम का महत्वपूर्ण हिस्सा है। एम. एड. विद्यार्थियों के लिए यह तीन चरणों में आयोजित किया गया। अभिविन्यास कार्यक्रम, पाठ निर्देशन कार्यशाला एवं अनुरूपित कार्यक्रम में निर्देशन एवं पर्यवेक्षण। एम. एड. के विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों के समूहों में जोड़ा गया। उन्होंने प्रतिदिन 5–5 पाठों का निर्देशन एवं पर्यवेक्षण किया।

कैंपस केयर कमेटी की बैठक

दिनांक 22 नवंबर, 2024। कैंपस केयर कमेटी की बैठक महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. फरजाना ईरफान की अध्यक्षता में हुई। बैठक में निर्णय किया गया कि महाविद्यालय में पानी एवं बिजली के उपभोग को कम करने के लिए विद्यार्थियों से पेम्फलेट बनवाए जाएंगे तथा उसे कैंपस में लगाए जाएंगे। साथ ही कैंपस को नो प्लास्टिक जोन बनाने के प्रयास किए जाएंगे। एम.एड. के विद्यार्थियों के शोध विषय ऐसे चयन किए जाए जो पर्यावरण से संबंधित हो। एसयूपीडब्ल्यू या वनशाला शिविर एवं बी.एड. के सत्रीय कार्य में भी पर्यावरण से जुड़े मुद्दों को वरियता दी जाए। बैठक में यह भी तय किया गया कि सभी सोसायटी को महाविद्यालय में एक क्षेत्र विशेष की जिम्मेदारी सौंप दी जाए तथा समय–समय पर वहां श्रमदान किया जाए। बैठक में नेक के क्षेत्र ग्रीन गतिविधियों से संबंधित दस्तावेजों पर चर्चा की गई तथा आगे की तैयारियों की योजना बनाई गई।

भगवद् गीता पर प्रसार वार्ता

दिनांक 25 नवंबर, 2024। संत गोविंद देव गिरि महाराज की शिष्या गीताव्रती संतोष दीदी ने महाविद्यालय में गीता जयंती आयोजन समिति की

ओर से आयोजित गीता व्याख्यानमाला को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज सभी व्यवसायों पर एआई का खतरा है। ये हमारे लिए सुविधा और दुविधा दोनों है, लेकिन सबसे अधिक खतरा शिक्षकों पर है। इसलिए यह महत्ता कभी कम नहीं हो और सदैव संपूर्ण विश्व आपके ज्ञान का और आपका लोहा माने, इसकी जिम्मेदारी भी हम शिक्षकों की ही है। जीवन में ऐसे कई कंप्यूटर एवं एआई आएंगे, लेकिन हमारे सुपर कंप्यूटर मानव मस्तिष्क से श्रेष्ठ कोई नहीं हो सकता। धन्यवाद प्राचार्य डॉ. फरजाना ईरफान तथा संचालन डॉ. जगदीश चंद्र आमेटा ने किया।

इलेक्ट्रोल लिटरेसी क्लब का गठन

दिनांक 26 नवंबर, 2024। महाविद्यालय में जिला प्रशासन कार्यालय की ओर से इलेक्ट्राल लिटरेसी जागरूकता अभियान के तहत विद्यार्थियों को मतदान देने के लिए जागरूक किया गया। उन्होंने मतदान को प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व बताते हुए इससे संबंधित वोट एप की जानकारी दी, जिसमें वोटर आईडी बनवाना, केवाईसी करवाना आदि की ऑनलाईन प्रक्रिया को समझाया। महाविद्यालय में जिला प्रशासन के सहयोग से इलेक्ट्रोल लिटरेसी क्लब बनाया गया, जिसमें महाविद्यालय की संकाय सदस्य डॉ. विद्या मेनारिया को नोडल अधिकारी तथा विद्यार्थी मनोज कुमार धाकड़, मोईन खान, मंजु, कल्पना टांक, गणपत लाल एवं ललित सुथार को सदस्य बनाया गया। मोईन खान एवं कल्पना टांक को एम्बेसेडर बनाया गया।

बैडमिंटन टूर्नामेंट का शुभारंभ

दिनांक 26 नवंबर, 2024। महाविद्यालय में बैडमिंटन टूर्नामेंट का शुभारंभ हुआ। प्राचार्य डॉ. फरजाना ईरफान ने विद्यार्थियों को बैडमिंटन रेकेट देकर टूर्नामेंट की औपचारिक शुरूआत की। प्रतियोगिता में संकाय सदस्यों के साथ 57 छात्राध्यापक एवं 17 छात्राध्यापिकाओं ने पंजीयन करवाया है।

संविधान दिवस पर वार्ता में भागीदारी

दिनांक 26 नवंबर, 2024। विद्या भवन गांधी शिक्षा अध्ययन संस्थान रामगिरि में संविधान दिवस के संदर्भ में प्रसार विभाग द्वारा 'प्रस्तावना के प्रकाश में हमारा संविधान' विषय पर वार्ता रखी गयी। मुख्य वक्ता मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ.बालूदान बारहठ ने कहा कि संविधान देश के नागरिकों व राज्य के आपसी संबंधों को तय करता है। संविधान की शक्ति का स्रोत भारत की जनता है और भारत की जनता की अभिव्यक्ति संविधान है। वार्ता में महाविद्यालय की प्राध्यापिका डॉ. विद्या मेनारिया ने भाग लिया।

इंटर्नशिप से पूर्व टेस्ट का निर्णय

दिनांक 30 नवंबर, 2024। महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. फरजाना ईरफान की अध्यक्षता में स्टाफ मीटिंग रखी गई। मीटिंग बी.एड द्वितीय वर्ष के टेस्ट के संदर्भ में रखी गई। प्रारंभ में टेस्ट 16 दिसंबर से होना तय थे, जिसे पहले करने का निर्णय किया गया, क्योंकि 11 दिसंबर से इंटर्नशिप स्कूल चॉइस आरम्भ होनी थी। डॉ. मालचंद काला की ओर से पेपर के दो पैटर्न सुझाये गए, जिसमे सभी संकाय सदस्यों की यूनिवर्सिटी पैटर्न पर सहमति बनी। यह टेस्ट 10 नंबर का रहेगा। बैठक में निर्णय किया गया कि इस टेस्ट के पश्चात मध्यावधि परीक्षाएं नहीं होंगी। बैठक में तय किया गया कि 5 दिसंबर तक प्रश्न पत्र बना कर कमेटी को जमा करवाने होंगे। यदि कोई विद्यार्थी डिफॉल्टर रहता है तो इंटर्नशिप के पश्चात् यह निर्णय किया जाएगा कि डिफॉल्टर फीस ले कर टेस्ट करवाने हैं या नहीं।

दिव्यांगता को पहचानने की जरूरत है

दिनांक 30 नवंबर, 2024। दिव्यांगता कोई बीमारी नहीं है, जिसे की ठीक किया जा सके। हम इसे मेनेज कर सकते हैं। ऐसे बच्चों की पहचान कर उन्हें कुछ तकनीक सीखानी होगी। छोटी–छोटी तकनीकें उनकी रोजमर्रा की जिंदगी में ला देंगे तो वह भी अन्य बच्चों के साथ सीख लेगा। यह बात अभिलाषा विशिष्ट विद्यालय की प्राचार्य पूजा अग्रवाल ने कही। वे यहां विद्या भवन गो. से. शिक्षक महाविद्यालय में बी.एड. के विद्यार्थियों को संबोधित कर रही थीं। अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगता सप्ताह के अंतर्गत आयोजित वार्ता में पूजा अग्रवाल ने कहा कि दिव्यांगता को आज बहुत तरीके से सुना व समझा जाता है। अध्यापकों को दिव्यांगता को पहचानने की जरूरत है। उन्होंने शारीरिक क्षति, अक्षमता और दिव्यांगता में अंतर स्पष्ट किया। उन्होंने दिव्यांगता के लिए बने एक्ट पर भी विद्यार्थियों के साथ चर्चा की और कहा कि सरकार प्रशस्त एप के जरिए इस तरह के विद्यार्थियों को पहचानने की कोशिश कर रही है। पूर्व विकलांगता आयुक्त एवं शिक्षाविद् रेणु सिंह ने कहा कि हम ऐसे बच्चों की पहचान करें जो परेशान हैं और एक बार पता चल जाने पर हमें उस पर विशेष ध्यान देना चाहिए। ऐसे बच्चों के साथ कम करना हमारे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि होगी। प्रारंभ में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. फरजाना ईरफान ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन डॉ. संतोष उपाध्याय ने तथा धन्यवाद डॉ. विद्या मेनारिया ने दिया।

पुस्तकालय रिकॉर्ड की जांच

दिनांक 27 नवंबर, 2024। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. फरजाना ईरफान ने महाविद्यालय के पुस्तकालय की जांच की। प्राचार्य ने पाया कि नवंबर माह में बी.एड. एवं एम.एड. दोनों वर्ष के 651 विद्यार्थियों ने स्वरूचि अध्ययन एवं स्वाध्याय के लिए पुस्तकालय का उपयोग किया। विद्यार्थियों ने पूरे माह में 207 पुस्तकें इश्यू करवाई। तीन पूर्व विद्यार्थी जो प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं, उन्होंने निर्धारित शुल्क जमा करवाकर एक माह के लिए सदस्यता ग्रहण की। प्राचार्य ने जांच में यह भी पाया कि औसतन 5 संकाय सदस्य प्रतिदिन पुस्तकालय का उपयोग करते हैं। विद्या भवन सोसायटी के मुख्य संचालक के निर्देशानुसार कंप्यूटर एक्सेल शीट में प्रविष्टी करना प्रारंभ कर दिया है।